B.A Part III, Paper VIII, Clinical Psychology
Ch-1

Clinical Psychology and Other Related Sciences.

नैदानिक मनोविज्ञान, मनोविज्ञान का एक प्रयुक्त शाखा (applied branch) है। मनो० का एक शाखा होने के नाते इसका संबंध मनो० के अन्य शाखाओं से काफी है। clinical psy. का संबंध abnormal psy. से सबसे अधिक है क्योंकि दोनों ही शाखाओं का विषय-वस्तु emotional एवं behavioural समस्याओं का अध्ययन करना है। इसका संबंध परामर्श मनो० (counselling Psy.) से भी अधिक बतलाया गया है। इसके अलावा नैदा० मनो० का संबंध अन्य विज्ञानों जैसे- मनोरोगविज्ञान (Psychiatry), मनोविश्लेषण (psychoanalysis) मनोरोगी सामाजिक कार्य (psychiatric social work) आदि से भी है।

Clinical Psychology and Psychiatry.
नैदानिक मनोविज्ञान और मनोरोगविज्ञान.

नैदानिक मनोविज्ञान तथा मनोरोगविज्ञान (Psychiatry) दोनों का अध्ययन बिन्दु एक ही है अर्थात् abnormal behaviour के लक्षणों, कारणों आदि को समझकर उसका उपचार करना। इस ख्याल से दोनों में समानता है। इस समानता के बावजूद इन दोनों विज्ञानों में कुछ अंतर है जो निम्नांकित है -

Scanned with CamScanner

लेकर तथा उनका interview लेकर case history तैयार करता है। clinical Psychologist यह भी जानने की कोशिश करते हैं कि रोगी की व्यवहार समस्या का कारण सीखा हुआ गलत व्यवहार है या उपयुक्त व्यवहार को सीखने की असफलता है।

→ मनोरोग विज्ञान में शारीरिक एवं मानसिक दोनों पक्षों से संबंधित मानसिक रोग का उपचार सफलतापूर्वक किया जाता है परंतु नैदा० मनो० में सिर्फ मानसिक या मनोवैज्ञानिक पक्षों से संबंधित मानसिक रोग का उपचार किया जाता है।

इतना ही नहीं, मनोरोग-विज्ञान (Psychiatry) में गंभीर मानसिक रोग जैसे मनोविदालिता (Schizophrenia), स्थिर-व्यामोह (Paranoia), द्विध्रुवीय विकृति (bipolar II disorder) जैसे रोगों का उपचार अधिक सफलतापूर्वक किया जाता है क्योंकि ऐसे रोगियों को जैविक चिकित्सा (biological therapy) की भी जरूरत पड़ती है जिसे केवल मनोरोग-विज्ञानी (Psychiatrist) ही संपन्न कर सकते हैं। नैदानिक मनो० में साधारण मानसिक रोग जैसे GAD (Generalized anxiety disorder), Phobia, OCD (Obsessive-Compulsive neurosis / disorder) मनोग्रस्ति-बाध्यता स्नायुविकृति आदि का उपचार अधिक किया जाता है। परंतु इसका यह मतलब नहीं है कि एक नैदा० मनोवैज्ञानिक मनोविदालिता तथा स्थिर-व्यामोह के रोगियों का उपचार नहीं कर सकता।

→ मनोरोगविज्ञान में केवल मानसिक रोग के वर्तमान समस्याओं पर अधिक बल डाला जाता है और जैसे ही रोग का लक्षण समाप्त होता है, चिकित्सा रोक दी जाती है।

Scanned with CamScanner

परंतु नैदा० मनोविज्ञान में मनोवैज्ञानिक किसी मानसिक रोग के लक्षण की समाप्ति से पूर्णरूपेण संतुष्टि नहीं पाते हैं। उनका प्रयास यह होता है कि रोगी का मानसिक स्वास्थ्य इस लायक हो जाए कि अपने परिवार या समाज में पुनः जाकर पहले जैसा सामाजिक संबंध कायम कर सके। एक मनोरोगविज्ञानी को रोगी के इस सामाजिक पहलू से मैं कोई मतलब नहीं होता है।

→ मनोरोगविज्ञान (Psychiatry) का संबंध केवल मानसिक रोगों के निदान एवं उपचार से होता है परंतु Clinical Psy. का संबंध इन मानसिक रोगों के निदान एवं उपचार के अलावा समायोजन (adjustment) की समस्याओं का अध्ययन कर उसका समाधान करने से होता है।

इस अर्थ में यह कहा जा सकता है कि नैदा० मनो० का कार्यक्षेत्र (Scope) मनोरोगविज्ञान (Psychiatry) के से अधिक विस्तृत है।

स्पष्ट हुआ कि मनोरोगविज्ञान (Psychiatry) तथा नैदा० मनो० में कुछ विशिष्ट अंतर है।

Scanned with CamScanner